



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 178]
No. 178]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 26, 1984/ज्येष्ठ 5, 1906
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1984/JYAISTHA 5, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1984

अधिसूचना

सं० 124/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 402(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी करने की तारीख से पहले किसी भी समय उक्त नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचनाओं की कोई बात उस माल को लागू नहीं होगी जो किसी शतप्रतिशत निर्यातानुमुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित किया जाना है और उसको भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञाप्राप्त है।

[फा० सं० 202/12/84-सीएक्स-6]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th May, 1984

NOTIFICATION

No. 124/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 402(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the

264 GI/84

Central Government hereby directs that nothing contained in the notifications issued under the said sub-rule (1) of rule 8 at any time whatsoever before the date of issue of this notification in the Official Gazette shall apply to the goods which are produced or manufactured in a hundred per cent, export-oriented undertaking and allowed to be sold in India.

[F. No. 202/12/84-CX.6]

अधिसूचना

सं० 125/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 403(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किसी शतप्रतिशत निर्यातानुमुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित सभी उत्पाद-शुल्क माल को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है:

परन्तु इस अधिसूचना में अन्तर्बिष्ट छूट ऐसे माल पर लागू नहीं होगी, यदि वह भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञाप्राप्त किया जाता है।

[फा० सं० 202/12/84-सीएक्स-6]

NOTIFICATION

No. 125/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 403(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempt all excisable goods pro-

(1)

duced or manufactured in a hundred per cent, export-oriented undertaking from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) :

Provided that the exemption contained in this notification shall not apply to such goods if allowed to be sold in India.

[F. No. 202/12/84-CX-6]

अधिसूचना

सं० 126/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 404(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 52 की उपधारा (4) के माथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, किसी शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित सभी उत्पाद शुल्क मास को उक्त अधिनियम की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

[का० सं० 202/12/84-सीएक्स-6]

NOTIFICATION

No. 126/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 404(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 52 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government hereby exempts all excisable goods produced or manufactured in a hundred per cent, export-oriented undertaking from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 52 of the said Act.

[F. No. 202/12/84-CX-6]

अधिसूचना

सं० 127/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 405(अ).—केन्द्रीय सरकार अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किसी शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित सभी उत्पाद शुल्क मास को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

[का० सं० 202/12/84-सीएक्स-6]

NOTIFICATION

No. 127/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 405(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts all excisable goods produced or manufactured in a hundred per cent export-oriented undertaking from the whole of the additional duties of excise leviable thereon under section 3 of the said Act.

[F. No. 202/12/84-CX-6]

अधिसूचना

सं० 128/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 406(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग की

अधिसूचना सं० 201/79-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 4 जून, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के बीच परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तु के अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह भी कि इस अधिसूचना के अधीन छूट किसी शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित और उक्त माल के विनिर्माण में प्रयुक्त निदेश पर उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन संशुद्ध उत्पाद शुल्क की मात्रा तक उक्त माल को उपलब्ध नहीं होगी।”।

[का० सं० 202/12/84-सीएक्स-6]

NOTIFICATION

No. 128/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 406(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 201/79-Central Excises dated the 4th June, 1979, namely :—

In the said notification, after the fourth proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided also that exemption under this notification shall not be available to the said goods to the extent of the duty of excise paid under section 3 of the said Act on the inputs produced or manufactured in a hundred per cent, export-oriented undertaking and used in the manufacture of the said goods.”.

[F. No. 202/12/84-CX-6]

अधिसूचना

सं० 129/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 407(अ).—केन्द्रीय सरकार अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 123/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 2-6-1981 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में खण्ड (2) में उपखण्ड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित उपखण्ड रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(घ) इस प्रकार उत्पादित या विनिर्मित और भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुशात सामान के 25 प्रतिशत तक निकासी पर, ऐसा उपक्रम उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 3 के अधीन ऐसे सामान पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संशोधन करेगा;

(घष) इस प्रकार उत्पादित या विनिर्मित सामान के पाँच प्रतिशत या ऐसे अन्य प्रतिशत की जो उक्त बोर्ड द्वारा भारत में विक्रय किए जाने के लिए नियत किया जाए, निकासी पर, ऐसा उपक्रम उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संशोधन करेगा परन्तु यह तब जबकि ऐसा सामान अस्वीकृत किए जाने वाली प्रकृति का है।”।

[का० सं० 202/12/84-सी० एक्स-6]

NOTIFICATION

No. 129/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 407(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944,

read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 123/81-Central Excises, dated the 2nd June, 1981, namely :—

In the said notification, in clause (ii), for sub-clause (d), the following sub-clauses shall be substituted, namely :—

“(d) on clearances up to twenty-five per cent of articles so produced or manufactured and allowed to be sold in India, such undertaking shall pay duty of excise leviable on such articles under section 3 of the said Central Excises and Salt Act;

(dd) on clearances of five per cent, of articles so produced or manufactured, or such other percentage as may be fixed by the said Board, and allowed to be sold in India, such undertaking shall pay duty of excise leviable under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, provided such articles are in the nature of rejects;”.

[F. No. 202/12/84-CX-6]

अधिसूचना

सं० 130/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 408 (अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सीमरा संशोधन) नियम, 1944 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1911 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 8 के उपनियम (1) के पहले परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“परंतु यह और कि जब तक इस उपनियम के अधीन जारी की गई, किसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप से उपबंधित नहीं किया जाता है तब तक उसमें दी गई कोई छूट, किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम में उत्पादित या विनिर्मित और भारत में विक्रय के लिए अनुज्ञा प्राप्त उत्पाद-शुल्क्य माल को लागू नहीं होगी।”।

3. उक्त नियमों के नियम 56क के उपनियम (2) के तीसरे और चौथे परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“परंतु यह भी कि,—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में उत्पादित या विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान पर तैयार उत्पाद शुल्क्य माल के विनिर्माण में प्रयुक्त; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा उत्पादित या विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान पर परिष्कृत उत्पाद-शुल्क्य माल के विनिर्माण में प्रयुक्त,

किसी सामग्री या संघटक भाग की बाबत शुल्क का कोई मुजरा, यदि ऐसा सामग्री या ऐसे संघटक भाग अधिनियम की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अंतर्गत नहीं आते हैं तो अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परंतु यह भी कि,—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में उत्पादित या विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान पर तैयार उत्पाद शुल्क्य माल के विनिर्माण में प्रयुक्त, या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा उत्पादित या विनिर्मित और भारत में किसी स्थान पर तैयार उत्पाद शुल्क्य माल के विनिर्माण में प्रयुक्त,

किसी सामग्री या संघटक भाग की बाबत का कोई मुजरा शुल्क की उस मात्रा तक ओ सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन दैमे हो साल पर उद्घृष्टणीय अतिरिक्त शुल्क के बराबर है और जिसका ऐसी सामग्री या संघटक भाग पर राशय कर दिया गया है, यदि ऐसी सामग्री या संघटक भाग अधिनियम की पहली अनुसूची की मद 68 से भिन्न किसी अन्य मद के अंतर्गत आते हैं, तो निबन्धित होगा।”।

4 उक्त नियमों के नियम 96 यफ के दूसरे परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु यह और कि इस नियम के उपबंध:—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी अन्य सीमेंट कारखाने को वापस किए गए, या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम में विनिर्मित और भारत में किसी स्थान पर किसी अन्य सीमेंट कारखाने को वापस किए गए,

सीमेंट को लागू नहीं होंगे।”।

5 उक्त नियमों के नियम 97 के उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(3) इस नियम के उपबंध:—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी कारखाने को वापस किए गए, या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी अन्य कारखाने को वापस किए गए, उत्पाद-शुल्क्य माल को लागू नहीं होंगे।”।

6 उक्त नियमों के नियम 97क के उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(5) इस नियम के उपबंध:—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी कारखाने को वापस किए गए; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा विनिर्मित और भारत में किसी स्थान में किसी अन्य कारखाने को वापस किए गए,

उत्पाद-शुल्क्य माल को लागू नहीं होंगे।”।

7. उक्त नियमों के नियम 100 के विद्यमान परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु इस नियम के उपबंध:—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी कारखाने द्वारा प्राप्त; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा विनिर्मित और भारत में किसी स्थान पर किसी अन्य कारखाने द्वारा प्राप्त,

चीनी को लागू नहीं होंगे।”।

8. उक्त नियमों के अध्याय 5 के शीर्षक में,

“मुक्त व्यापार क्षेत्र से” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जायेंगे, अर्थात् :—

“या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से”।

9. उक्त नियमों के नियम 100क के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) इस अध्याय के उपबंध,—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र के भीतर उत्पाद शुल्क्य माल को उत्पादित या विनिर्मित करने के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन अनुज्ञात किसी व्यक्ति को और जिसको उस पर उद्युहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करके ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल को भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए समुचित अधिकारी द्वारा अनुज्ञा दी गई है; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम में उत्पाद-शुल्क्य माल को उत्पादित या विनिर्मित करने के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन अनुज्ञात किसी व्यक्ति को और जिस को उस पर उद्युहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय करके ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल को भारत में विक्रय करने के लिए हटाने के लिए समुचित अधिकारी द्वारा अनुज्ञा दी गई है,

लागू होंगे।”।

10. उक्त नियमों के नियम 100ग के उपनियम (1) में,—

“जहाँ कहीं मुक्त व्यापार क्षेत्र से” शब्द आते हैं उनके स्थान पर निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“यथास्थिति, मुक्त व्यापार क्षेत्र से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से”

11. उक्त नियमों के नियम 100घ के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“जब कोई विनिर्माता—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से भारत में किसी अन्य स्थान को; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से भारत में किसी अन्य स्थान को;

उत्पाद शुल्क का संदाय करने के पश्चात् उत्पाद-शुल्क्य माल को हटाना चाहता है तो वह समुचित अधिकारी को समुचित प्ररूप में तीन प्रतियों में (जब तक कि आदेश में अन्यथा अपेक्षित न हो) आवेदन करेगा और माल को हटाने के लिए आशयित समय से कम से कम बारह घंटे पहले (या ऐसी अन्य अवधि के भीतर जो कलक्टर किसी विशेष मामले में अपेक्षित या अनुज्ञात करे) उन्हें समुचित अधिकारी को परित्त करेगा।”।

12. उक्त नियमों के नियम 100ङ में,—

(क) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) को भी उत्पाद-शुल्क्य माल,—

(i) किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से भारत के किसी अन्य स्थान को; या

(ii) किसी शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से किसी अन्य स्थान को,

ऐसे माल पर उद्युहणीय उत्पाद शुल्क के संदाय करने के पश्चात् ही और समुचित प्ररूप में या ऐसे अन्य प्ररूप में जो कलक्टर विनिर्दिष्ट करे, सेट पास के अधीन ही जो विनिर्माता द्वारा या उसके प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित तथा समुचित अधिकारी द्वारा प्रतिलिखित रित किया जाएगा, हटाया जाएगा, अन्यथा नहीं।”

(ख) उपनियम (2) के खंड (ख) और (३) में “मुक्त व्यापार क्षेत्र से” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“यथास्थिति, मुक्त व्यापार क्षेत्र से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से”।

13. उक्त नियमों के नियम 100 च के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“100च, मासिक विवरणी विनिर्माता, उस मास की समाप्ति के सात दिन के भीतर, जिसमें विवरणी संबंधित है या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो कलक्टर अनुज्ञात करे,—

(i) मुक्त व्यापार क्षेत्र से भारत में किसी अन्य स्थान को, या

(ii) शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से भारत में किसी अन्य स्थान को,

शुल्क का संदाय करके, हटाए गए उत्पाद-शुल्क्य माल को बाधत समुचित प्ररूप में चार प्रतियों में एक मासिक विवरणी समुचित अधिकारी के पास फाइल करेंगे।”।

14. उक्त नियमों के नियम 100 छ में,—

(क) उप नियम (1) में, “मुक्त व्यापार क्षेत्र के किसी कारखाने से, मुक्त व्यापार क्षेत्र के बाहर भारत में किसी स्थान को” शब्दों के स्थान पर “माल यथास्थिति, मुक्त व्यापार क्षेत्र के किसी कारखाने से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से, ऐसे क्षेत्र से बाहर या ऐसे उपक्रम के परिसर से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) में,—

(i) “कोई भी उत्पाद शुल्क्य माल, मुक्त व्यापार क्षेत्र के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को” शब्दों के स्थान पर “कोई भी उत्पाद शुल्क्य माल, यथास्थिति मुक्त व्यापार क्षेत्र में किसी कारखाने से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से ऐसे क्षेत्र के बाहर या ऐसे उपक्रम के परिसर के बाहर भारत में किसी स्थान को” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) दूसरे परंतुक में, “मुक्त व्यापार क्षेत्र में किसी कारखाने से मुक्त व्यापार क्षेत्र के बाहर भारत में किसी स्थान को” शब्दों के स्थान पर “यथास्थिति मुक्त व्यापार क्षेत्र में किसी कारखाने से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से, ऐसे क्षेत्र से बाहर या ऐसे उपक्रम के परिसर से बाहर भारत में किसी स्थान को” शब्द रखे जाएंगे;

(ग) उपनियम (3) में, “जहाँ कोई विनिर्माता मुक्त व्यापार क्षेत्र के कारखाने से मुक्त व्यापार क्षेत्र के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को,” शब्दों के स्थान पर “जहाँ कोई विनिर्माता यथास्थिति मुक्त व्यापार क्षेत्र के कारखाने से या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से, ऐसे क्षेत्र से बाहर या ऐसे उपक्रम के परिसर से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को” शब्द रखे जाएंगे।

15. उक्त नियमों के नियम 173 ड के उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

(5) इस नियम के उपबंध:-

- (i) मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी कारखाने को लौटाए गए; या
- (ii) शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा विनिर्मित और भारत में किसी स्थान में किसी अन्य कारखाने को लौटाए गए, उत्पाद शुल्क माफ को लागू नहीं होंगे।

16. उक्त नियमों के नियम 173ड के उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

(4) इस नियम के उपबंध

- (i) मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्मित और भारत में किसी अन्य स्थान में किसी कारखाने को लौटाए गए; या
- (ii) शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम द्वारा विनिर्मित और भारत में किसी स्थान में किसी अन्य कारखाने को लौटाए गए,

उत्पाद शुल्क माफ को लागू नहीं होंगे।

17. उक्त नियमों के परिशिष्ट 1 में,

(क) (1) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रणाली की सूची में,

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं० 57क के सामने, 'प्ररूप का वर्णन' स्तंभ के नीचे की प्रविष्टि के "किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से";

- (ii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं० 65क के सामने प्ररूप का वर्णन स्तंभ के नीचे की प्रविष्टि में, किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से";

- (iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं० 79ग के सामने "प्ररूप का वर्णन" स्तंभ के नीचे की प्रविष्टि से, "किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से";

(ख) (ii) नमूना प्ररूप में,-

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं० 37 क से संबंधित प्रविष्टियों में, मूल प्रति/दूसरी प्रति/तीसरी प्रति शीर्षक के नीचे, "मुक्त व्यापार क्षेत्र" शब्दों के पश्चात् "यदि लागू हों," शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) प्ररूप ए० आर० 1-क में,-

- (1) शीर्षक में "किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से";

- (2) "स्वामी/विनिर्माता का नाम और पता-----"

-----प्रविष्टि के

पश्चात् निम्नलिखित-प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

"एल 4 अनुज्ञप्ति संख्याक यदि लागू हों";

- (3) स्तंभ 6 और उससे संबंधित शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित स्तंभ और शीर्षक रखे जाएंगे, अर्थात्:

“माल का वर्णन	सीमाशुल्क टैरिफ, अधिधिम प्रतिरिक्त शुल्क (सीमा-शुल्क) 1975 (1975 का 51) की के प्रयोजनों के लिए, पहली अनुसूची के अनुसार वेन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्गीकरण और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची के अनुसार वर्गीकरण
---------------	--

6(क)

6(ख)

6(ग) "

- (iii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं० 65 कक के संबंधित प्रविष्टियों में,

"बाहक के लिए मूल प्रति

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के लिए दूसरी प्रति

तीसरी कार्यालय प्रति

शीर्षकों, के नीचे

"मुक्त आधार क्षेत्र" शब्दों के पश्चात्

"यदि लागू हों", शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे;

- (iv) प्ररूप जी० पी० 1-क में,-

- (1) शीर्षक में, "किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"या शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम से"

- (2) "विनिर्माता का नाम और पता-----"

-----प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

"एल 4 अनुज्ञप्ति संख्याक, यदि लागू हो-----";

- (3) "ग्रेट पाम तैयार करने की तारीख और समय" प्रविष्टि के स्थान पर "माल को हटाने की तारीख और समय (अंको और शब्दों में)" प्रविष्टि रखी जाएगी

- (V) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं० 79ग से संबंधित प्रविष्टियों में "मूल प्रति/दूसरी प्रति/तीसरी प्रति शीर्षक के नीचे "मुक्त व्यापार क्षेत्र" शब्दों के पश्चात् यदि लागू हो शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे;

- (vi) प्ररूप आर टी 13 में,-

- (1) शीर्षक में, "किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र से" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

"एल 4 अनुज्ञप्ति संख्याक, यदि लागू हो-----"

- (2) "विनिर्माता का नाम और पता-----"

-----प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित

प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थातः—
 “एल 4 अनुसूचि संख्याक, यदि लागू हो ———”

(3) स्तम्भ 3 और उससे संबंधित शीर्षक के स्थान पर,
 निम्नलिखित स्तम्भ 3 और उससे संबंधित शीर्षक
 के स्थान पर, निम्नलिखित स्तम्भ और शीर्षक
 रखा जाएगा, अर्थातः—

“सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पृथ्वी अनु- सूची के अनुसार वर्गीकरण”	अतिरिक्त शुल्क (सीमा शुल्क) के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पृथ्वी अनुसूची के अनुसार वर्गीकरण
---	---

3(क)

3(ख)”

[फा० सं० 202/12/84 सी एक्स 6]

NO. 130/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 408(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (3rd Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (1), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely :

“Provided further that, unless specifically provided in any notification issued under this sub-rule, any exemption therein shall not apply to excisable goods produced or manufactured in a hundred per cent, export-oriented undertaking and allowed to be sold in India.”.

3. In rule 56A of the said rules, in sub-rule (2) for the third and fourth provisos, the following provisos shall be substituted, namely :—

“Provided also that no credit of duty shall be allowed in respect of any material or component parts produced or manufactured,—

(i) in a free trade zone and used in the manufacture of finished excisable goods in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and used in the manufacture of finished excisable goods in any place in India, if such material or component parts fall under Item No. 68 of the First Schedule to the Act ;

Provided also that credit of duty shall be restricted in respect of any material or component parts produced or manufactured,—

(i) in a free trade zone and used in the manufacture of finished excisable goods in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and used in the manufacture of finished excisable goods in any place in India.

to the extent of duty which is equal to the additional duty leviable on like goods under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and is paid on such material or component parts, if such material or component parts fall under any Item other than Item 68 of the First Schedule to the Act;”.

4. In rule 96ZV of the said rules, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided further that the provisions of this rule shall not apply to cement manufactured,—

(i) in a free trade zone and returned to a cement factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and returned to another cement factory in any place in India.”

5. In rule 97 of the said rules, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) The provisions of this rule shall not apply to excisable goods manufactured,—

(i) in a free trade zone and returned to a factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and returned to another factory in any place in India.”.

6. In rule 97A of the said rules, for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(5) The provisions of this rule shall not apply to excisable goods manufactured,—

(i) in a free trade zone and returned to a factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and returned to another factory in any place in India.”.

7. In rule 100 of the said rules, for the existing proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the provisions of this rule shall not apply to sugar manufactured,—

(i) in a free trade zone and received by a factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent, export-oriented undertaking and received by another factory in any place in India.”.

8. In Chapter V-A of the said rules, in the heading, after the words “Removal from a free trade zone”, the following words shall be inserted, namely :—

“or from a hundred per cent, export-oriented undertaking”.

9. In rule 100A of the said rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The provisions of this Chapter shall apply to a person permitted under any law for the time being in force to produce or manufacture excisable goods,—

(i) within a free trade zone, and who has been permitted by the proper officer to remove such excisable goods to any other place in India on payment of duty of excise leviable thereon; or

(ii) in a hundred per cent, export-oriented undertaking and who has been allowed by the proper officer to remove such excisable goods for being sold in India, on payment of duty of excise leviable thereon.”.

10. In rule 100C of the said rules, in sub-rule (1), after the words "free trade zone", at both the places where they occur, the following words shall be inserted, namely:—

"or from a hundred per cent export-oriented undertaking, as the case may be";

11. In rule 100D of the said rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) When a manufacturer desires to remove excisable goods,—

(i) from a free trade zone to any other place in India; or

(ii) from a hundred per cent. export-oriented undertaking to any place in India,

on payment of duty, he shall make an application in triplicate (unless otherwise by order required) to the proper officer in the proper form and shall deliver it to the proper officer at least twelve hours (or such other period as the Collector may in a particular case require or allow), before it is intended to remove the goods."

12. In rule 100E of the said rules,—

(a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) No excisable goods shall be removed,—

(i) from a free trade zone to any other place in India; or

(ii) from a hundred per cent. export-oriented undertaking to any place in India,

except on payment of the duty of excise leviable on such goods and under a gate-pass in the proper form or in such other form as the Collector may specify, signed by the manufacturer or his authorised agent and counter-signed by the proper officer."

(b) in sub-rule (2), in clauses (b) and (c), after the words "the free trade zone", the following words shall be inserted, namely:—

"or from the hundred per cent. export-oriented undertaking, as the case may be".

13. For rule 100F of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

"100F Monthly Return—Within seven days after the close of the month to which the return relates or within such extended period as the Collector may allow, a manufacturer shall file with the proper officer in quadruplicate a monthly return in the proper form, in respect of the excisable goods removed,—

(i) from a free trade zone to any other place in India; or

(ii) from a hundred per cent. export-oriented undertaking to any place in India.

on payment of duty."

14. In rule 100G of the said rules,—

(a) in sub-rule (i), for the words "Goods may not be delivered from a factory in a free trade zone to any place in India outside the free trade zone", the words "Goods may not be delivered from a factory in a free trade zone or from a hundred per cent export-oriented undertaking to any place in India outside such zone or outside the premises of such undertaking, as the case may be," shall be substituted;

(b) in sub-rule (2),—

(i) for the words "No excisable goods shall be removed from a factory in a free trade zone to

any place in India outside the free trade zone", the words "No excisable goods shall be removed from a factory in a free trade zone or from a hundred per cent. export-oriented undertaking, to any place in India outside such zone or outside the premises of such undertaking, as the case may be," shall be substituted;

(ii) in the second proviso, for the words "from a factory in a free trade zone to any place in India outside the free trade zone", the words "from a factory in a free trade zone or from a hundred per cent. export-oriented undertaking to any place in India outside such zone or outside the premises of such undertaking, as the case may be," shall be substituted;

(c) in sub-rule (3), for the words "Where a manufacturer intends to remove goods from a factory in a free trade zone to any place in India outside the free trade zone", the words "Where a manufacturer intends to remove goods from a factory in a free trade zone or from a hundred per cent. export-oriented undertaking to any place in India outside such zone or outside the premises of such undertaking, as the case may be," shall be substituted.

15. In rule 173-L of the said rules, for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(5) The provisions of this rule shall not apply to excisable goods manufactured,—

(i) in a free trade zone and returned to a factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent. export-oriented undertaking and returned to another factory in any place in India."

16. In rule 173-M of the said rules, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(4) The provisions of this rule shall not apply to excisable goods manufactured,—

(i) in a free trade zone and returned to a factory in any other place in India; or

(ii) by a hundred per cent. export-oriented undertaking and returned to another factory in any place in India."

17. In Appendix I to the said rules,—

(a) in (I) List of Central Excise Forms,—

(i) against Central Excise Series No. 57A, in the entry under the column "Description of Form", after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely:—

"or from a hundred per cent. export-oriented undertaking";

(ii) against Central Excise Series No. 65 AAA, in the entry under the column "Description of Form", after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely:—

"or from a hundred per cent. export-oriented undertaking";

(iii) against Central Excise Series No. 79C, in the entry under the column "Description of Form", after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely:—

"or from a hundred per cent. export-oriented undertaking";

(b) in (II) Specimen Forms,—

(f) in the entries relating to Central Excise Series No. 57A, under the heading "Original/Duplicate/Triplicate", after the words "Free Trade Zone", the words", if applicable" shall be inserted;

(ii) in Form A.R. 1-A,—

- (1) in the heading, after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely :—

"or from a hundred per cent. export-oriented undertaking";

- (2) after the entry "Name and address of owner/manufacturer—", the following entry shall be inserted, namely :—

"L 4 licence number, if applicable—";

- (3) for column 6 and the heading relating thereto, the following column and headings shall be substituted, namely :—

Description of goods	Classification as per the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975)	Classification as per the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) for the purpose of additional duty (Customs)
6(a)	6(b)	6(c)

(iii) in the entries relating to Central Excise Series No. 65AAA under the headings

"Original for carrier

Duplicate for Central Excise

Triplicate Office Copy".

after the words "Free Trade Zone", the words, "if applicable" shall be inserted ;

(iv) in Form G.P. 1—A,—

- (1) in the heading, after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely :—
"or from a hundred per cent. export-oriented undertaking";

- (2) after the entry "Name and address of manufacturer—", the following entry shall be inserted, namely :—
"L 4 licence number, if applicable—"

- (3) for the entry "Date and time of preparation of gate-pass", the entry "Date and time of removal of the goods (in figures and words)" shall be substituted;

(v) in the entries relating to Central Excise Series No. 79C under the heading "Original/Duplicate/Triplicate",

after the words "Free Trade Zone", the words, "if applicable" shall be inserted ;

(vi) in Form RT. 13,—

- (1) in the heading, after the words "from a free trade zone", the following words shall be inserted, namely
"L 4 licence number, if applicable—";

- (2) after the entry "Name and address of the manufacturer—", the following entry shall be inserted, namely :—

"L 4 licence number, if applicable—"

- (3) for column 3 and the heading relating thereto, the following columns and heading shall be substituted, namely :—

"Classification as per the First Schedule to the Customs Act, 1975 (51 of 1975) and Salt Act, 1944 (1 of 1944) for the purposes of additional duty (Customs)

3(a)

3(b)"

F. No. 220/12/84-CX-6]

सं० 131/84 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 409 (घ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (बीधा संशोधन) नियम, 1984 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में—

(क) नियम 100 ज, उसके उपनियम (i) के रूप में पुनःसंख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनःसंख्याकित उप नियम (i) में, "उस विनिर्माता को लागू नहीं होगा जिसे यह अध्याय लागू होता है" शब्दों के स्थान पर "उस विनिर्माता को लागू नहीं होंगे जो किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र में उत्पाद शुल्क माफ का उत्पादन या विनिर्माण करता है" शब्द रखे जाएंगे।

(ख) इस प्रकार पुनःसंख्याकित उपनियम (1) के पश्चात निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(2) नियम, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 50, 52, 52क, 53, 53क, 54, 55, 56क, 56कक, 56ख, 56ग, अध्याय 7, नियम 223क, 223ख, 224, 228 और 229 के उपबंध किसी शत प्रतिशत निर्यातमुख्य उपक्रम द्वारा उत्पादित या विनिर्मित उत्पाद शुल्क माफ को लागू नहीं होंगे।"

[फा० सं० 202/12/84 के०उ०शु०-6]
विजय कुमार पुरी, प्रवर सचिव

No. 131/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 409(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (4th Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the day of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944,—

(a) rule 100H shall be renumbered as sub-rule (1) thereof, and in sub-rule (1) as so renumbered, for the words "a manufacturer to whom the Chapter applies", the words "a manufacturer who produces or manufactures excisable goods in a free trade zone", shall be substituted;

(b) after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"The provisions contained in rules 43, 44, 45, 46, 47, 48, 50, 52, 52A, 53, 53A, 54, 55, 56A, 56AA, 56B, 56C, Chapter VII, rules 223A, 223B, 224, 228 and 229 shall not apply to excisable goods produced or manufactured by a hundred per cent. export-oriented undertaking."

[F. No. 202/12/84-CX.6]

V. K. PURI, Under Secy.

